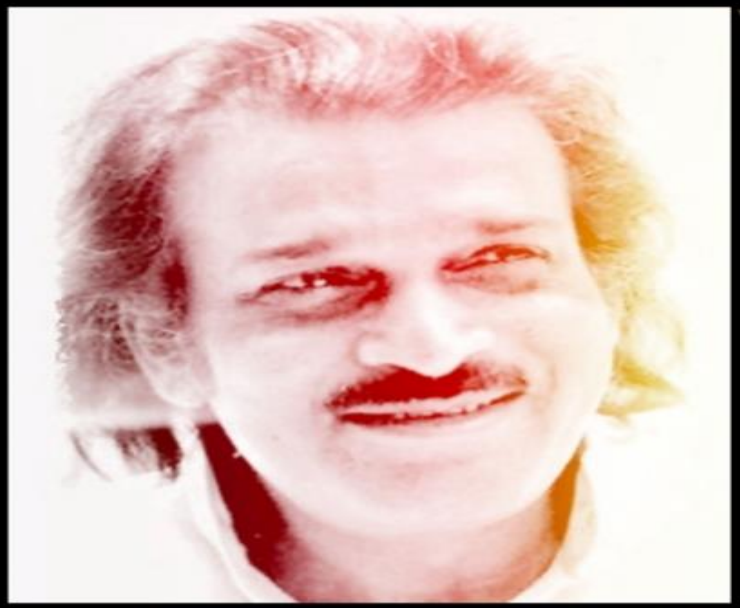

SUBSCRIBE

लड़ाई जारी है

सेर्वेश्वर दयाल सक्सेना

प्रस्तुतकर्ता- डॉ आरिफ महात

लड़ाई जारी है / सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

जारी है-जारी है
अभी लड़ाई जारी है।

यह जो छापा तिलक लगाए और जनेऊंधारी है
यह जो जात पांत पूजक है यह जो भ्रष्टाचारी है
यह जो भूपति कहलाता है जिसकी साहूकारी है
उसे मटीने और बदलने की करनी तैयारी है।

लड़ाई जारी है / सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

यह जो तिलक मांगता है, लडके की धौंस जमाता है
कम दहेज पाकर लड़की का जीवन नरक बनाता है
पैसे के बल पर यह जो अनमेल ब्याह रचाता है
यह जो अन्यायी है सब कुछ ताकत से ह थयाता है
उसे मटाने और बदलेंने की करनी तैयारी है।

लड़ाई जारी है / सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

यह जो काला धन फैला है, यह जो चोरबाजारी है
सत्ता पाँव चूमती जिसके यह जो सरमाएदारी है
यह जो यम-सा नेता है, मतदाता की लाचारी है
उसे मटाने और बदलने की करनी तैयारी है।

जारी है-जारी है
अभी लड़ाई जारी है।